shrI sarasvatyaShTottarashatanAma stotram

श्रीसरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

Document Information

Text title : sarasvatyaShTottara shatanAma stotram

File name : sarasvati108St.itx

Category : aShTottarashatanAma, devii, sarasvatI, stotra, devI

Location : doc_devii

Author : Traditional

Proofread by : Sunder Hattangadi

Latest update : March 30, 2002, March 5, 2019

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 2, 2024

sanskritdocuments.org

श्रीसरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

सरस्वती महाभद्रा महामाया वरप्रदा ।
श्रीप्रदा पद्मनिलया पद्माक्षी पद्मवक्त्रका ॥ १॥

शिवानुजा पुस्तकभृत् ज्ञानमुद्रा रमा परा ।
कामरूपा महाविद्या महापातकनाशिनी ॥ २॥

महाश्रया मालिनी च महाभोगा महाभुजा ।
महाभागा महोत्साहा दिव्याङ्गा सुरवन्दिता ॥ ३॥

महाकाली महापाशा महाकारा महाङ्कुशा ।
पीता च विमला विश्वा विद्युन्माला च वैष्णवी ॥ ४॥

चन्द्रिका चन्द्रवदना चन्द्रलेखाविभूषिता ।
सावित्री सुरसा देवी दिव्यालङ्कारभूषिता ॥ ५॥

वाग्देवी वसुधा तीव्रा महाभद्रा महाबला ।
भोगदा भारती भामा गोविन्दा गोमती शिवा ॥ ६॥

जटिला विन्ध्यवासा च विन्ध्याचलविराजिता ।
चण्डिका वैष्णवी ब्राह्मी ब्रह्मज्ञानैकसाधना ॥ ७॥

सौदामिनी सुधामूर्तिस्सुभद्रा सुरपूजिता ।
सुवासिनी सुनासा च विनिद्रा पद्मलोचना ॥ ८॥

विद्यारूपा विशालाक्षी ब्रह्मजाया महाफला ।
त्रयीमूर्तिः त्रिकालज्ञा त्रिगुणा शास्त्ररूपिणी ॥ ९॥

शुम्भासुरप्रमथिनी शुभदा च स्वरात्मिका ।
रक्तबीजनिहंत्री च चामुण्डा चाम्बिका तथा ॥ १०॥

मुण्डकायप्रहरणा धूम्रलोचनमर्दना ।
सर्वदेवस्तुता सौम्या सुरासुरनमस्कृता ॥ ११॥

कालरात्री कलाधारा रूपसौभाग्यदायिनी ।
वाग्देवी च वरारोहा वाराही वारिजासना ॥ १२॥

चित्राम्बरा चित्रगन्धा चित्रमाल्यविभूषिता ।
कान्ता कामप्रदा वन्द्या विद्याधरसुपूजिता ॥ १३॥ विद्याधरी सुपूजिता

श्वेतानना नीलभुजा चतुर्वर्गफलप्रदा ।
चतुराननसाम्राज्या रक्तमध्या निरञ्जना ॥ १४॥

हंसासना नीलजङ्घा ब्रह्मविष्णुशिवात्मिका ।
एवं सरस्वतीदेव्या नाम्नामष्टोत्तरं शतम् ॥ १५॥

इति श्री सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

shrI sarasvatyaShTottarashatanAma stotram

pdf was typeset on February 2, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*